राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

अमर भास्कर

सूर्योदय सूर्यास्त
7:14 am 5:52 pm

सुविचार
“ सकारात्मक सोच के साथ आप हर कठिनाई से बाहर निकलने का रास्ता खोज सकते है।

दिल्ली संस्करण
दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान एवं उत्तराखंड से प्रकाशित

सच का साथी

वर्ष : 01 अंक : 166, नई दिल्ली, रविवार, 22 जनवरी 2023 | Title Code: DELHIN29026 | मूल्य : 4 रुपए , पृष्ठ : 12

भारत विश्व कप जीतने ... पेज-11

सालासर में ब्रज गोपी के भाव सुन जगतगुरु हुए मंत्रमुग्ध

संवाददाता, मथुरा।

पदम विभूषण तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के 74वां जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर श्री बालाजी गौशाला संस्थान एवं पुजारी परिवार, सालासर के तत्वाधान मे आयोजित ब्रज रत्न वन्दनाश्री मथुरा द्वारा “श्री कृष्ण रस धारा” का दिव्य मंचन प्रस्तुत हुआ। वन्दनाश्री ने अपनी गायकी से सिद्ध कर दिया कि ब्रज रस की महिमा, वाणीका माधुर्य और ब्रज गायिका का सरसगान क्या होता है। विशुद्ध पदों वाले लोकगीतों के आत्मविभोर करने वाले गान ने दर्शकों एवं अतिथियों का मन मोहा ।

एक से बढ़कर एक भजनों एवं भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का मंचन किया गया विश्व प्रसिद्ध ब्रज लट्ठमार फूलों की होली से कार्यक्रम विश्राम किया गया । देश विदेश में रास संगीत एवं लोक संगीत का परचम लहराने वाली अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ब्रज रत्न वन्दनाश्री की सुमधुर भाव में भजनामृत ने सद्गुरुदेव भगवान जगतगुरु परम पूज्य रामभद्राचार्य को भाव विभोर कर दिया गोपी भाव पर मोहित हो राधा रानी की महिमा का गुणगान कर गुरुदेव ने स्वयं की वाणी में रसिया सुना कर “लट उलझी सुलझा जा रे मोहन, मेरे हाथ मेहंदी लगी” स्वयं भी ग्वाल भाव उत्पन्न कर दिया। जनमानस से कोटि कोटि वन्दनाश्री की प्रशंसा सुनकर सद्गुरु भगवान ने पद गायन सुना और स्वयं भी सुनाया “कान्हा मै तेरे मोरन की बलिहारी, कान्हा मे बांस वंश की भी बलियारी हूं ”।

इस बांस की बांसुरी की के अनंत कोटि भाग्य हैं जो तेरे अधरों पर सदैव विराजित रहती है ऐसा श्रीकृष्ण के प्रति प्रियतम भाव से गुरुवर गदगद हो गए और राधा रानी के भाव से पुत्री वक्त अपना आशीर्वाद रूपी छत्रछाया में अनूप अपार स्नेह प्रदान किया।